(ग) इस मशीनरी को प्रारम्भिक लागत और वर्तमान लागत कितनी है; और

(घ) क्या सरकार कोरबा उर्वरक संयंत्र के निर्माण कार्य को पुनः शुरू करने का विचार रखती है?

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुवर्डो फेलेरियो) :(क) से (घ) कोरबा स्थित फर्टिलाइजर कार्पोरेशन आफ इंडिया लि० (एफसीआई) की कोयले पर आधारित उर्वरक परियोजना 1974 में सरकार द्वारा मंजूर की गई थी। तथापि, फरवरी, 1990 में रामागुण्ड और तालचर स्थित एफसीआई के अन्य दो कोयले पर आधारित उर्वरक एककों के घटिया निष्पादन को देखते हुए इस परियोजना को अंततः बन्द करने का निर्णय लिया गया। इस परियोजना के लिए एफ सी आई द्वारा प्रदत्त मशीनरी/उपस्कर में से लगभग 12.17 करोड़ रुपए मूल्य का उपस्कर/मशीनरी अभी गैर इस्तेमाल के पड़ी हुई हैं। एफसीआई इनमें से कुछ को अपने अन्य संयंत्रों में इस्तेमाल और बाकियों का निपटान करने की उत्सुक है।

कोरबा परियोजना के पुनरुद्धार का कोई प्रस्ताव नहीं है।

उर्वरक मूल्य नीति

321. **श्री अजीत जोगी** : क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने त्रिपक्षीय उर्वरक मूल्य नीति की घोषणा की है;

(ख) यदि हां, तो उसकी विस्तृत रूपरेखा क्या है;

(ग) क्या इस नीति के अन्तर्गत परियोजना में पूंजी निवेश पर 16 प्रतिशत तक का लाभांश अर्जित किए जाने की अनुमति दी गई है;

(घ) यदि हां, तो इन उर्वरक परियोजनाओं पर पहले कितने लाभांश दर की अनुमति दी गई; थी

(ङ) क्या लाभांश दर बढ़ाते समय उपभोक्ताओं के हितों की उपेक्षा की गई है; और

(च) यदि नहीं, तो सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है?

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुवर्डो फेलेरियो) : (क) और (ख) सरकार कोई त्रिपक्षीय उर्वरक मूल्य नीति घोषित नहीं करती है। तथापि, प्रतिधारण मूल्य-व-वित्तीय सहायता योजना के कार्यान्वयन के लिए नीति मानदण्डों की सरकार द्वारा सामान्यतः तीन वर्षों की मूल्य निर्धारण अवधि के लिए घोषणा की जाती है। छठी मूल्य निर्धारण अवधि जो 1-4-1991 से आरम्भ होनी थी, के लिए नीति मानदण्डों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

(ग) जी, नहीं।

(घ) से (च) प्रश्न नहीं उठता।

उर्वरक संयंत्रों के संबंध में औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड की रिपोर्ट

322. **श्री कनक सिंह मोहन सिंह मंगरोला :**
श्री ईश दत्त यादव :

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने कई उर्वरक एककों को पुनः चालू करने हेतु औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड को सिफारिश की है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड से प्राप्त हुई रिपोर्ट का ब्यौरा क्या है?

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुवर्डो फेलेरियो) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) बी.आई.एफ.आर. से कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है ?

उर्वरक उद्योग के क्षेत्र में अनुसंधान

323. **श्री ईश दत्त यादव :**
श्री कनक सिंह मोहन सिंह मंगरौला :

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में उर्वरक उद्योग के क्षेत्र में कोई अनुसंधान कार्य नहीं हुआ है;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में क्या अनुसंधान कार्य किया गया है ; और

(ग) पी.डी.आई.एल. और एफ.ई.डी.ओ. द्वारा अपने व्यय का कितने-कितने प्रतिशत अनुसंधान कार्य पर व्यय किया गया है ?

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुवर्डो फेलेरियो) : (क) और (ख) अनेक उर्वरक कम्पनियों द्वारा अनुसंधान एवं विकास कार्य किये जा रहे हैं। ये गतिविधियां मुख्यत: ऊर्जा दक्षता में सुधार, विभिन्न बहिस्त्रावों उप उत्पादों के संसाधन, अपशिष्ट अनुप्रयोग धीमें मुक्त होने वाले उर्वरकों, जैव उर्वरकों का विकास, नये केटलिस्टों के निकास और प्रक्रिया प्रौद्योगिक के क्षेत्र के आसपास केन्द्रित है। स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास प्रयासों के माध्यम से प्राप्त उल्लेखनीय परिणाम नाइट्रोजन उर्वरकों के उत्पादन में आवश्यक कटेलिस्टों के व्यवहारिक रूप से संपूर्ण रेंज का विकास, नाइट्रिक एसिड संयंत्र में एन ओ एक्स उपशमन का विकास यूरिया संयंत्र से बहिस्त्रों के संसाधन के लिए हाइड्रोलाइजर स्ट्राइपर तंत्र और उससे अमोनिया की प्रतिपूर्ति, उर्वरक मालों में माइक्रोन्यूट्रियेंटस जैसे जिंकेटेड यूरिया, बोरोनेटेड सिंगल सूपर फास्फेट आदि का समावेशन का विकास हो रहा है।

(ग) गत तीन वर्षों के लिए पीडीआईएल और फैक्ट (जिसका फीडो एक डिजाइन एवं अभियांत्रिकी संगठन है किन्तु अनुसंधान एवं विकास कार्य नहीं करता) के लिए किये गये कुल व्यय की तुलना में अनुसंधान एव विकास कार्य पर किये गये व्यय की प्रतिशतता क्रमश: सामान्यत: लगभग 13% और 1% से कम रही है।

New Drug Policy

324. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government propose to formulate a new drug policy; and

(b) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) to (b) The modifications needed in the existing drug policy related to various aspects of pharmaceutical industry are still under examination as part of the Review of Drug Policy, 1986 and would be announced soon after the matter is finalised.

Decontrol of Molasses and alcohol

325. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have constituted a working group to look into various problems arising after the decontrol of molasses and alcohol;

(b) if so, the details of the recommendations made by the working group;

(c) whether Government propose to steps to implement the recommendations; and

(d) if so, by when and if not, the reasons therefor?